राम श्रेष्ठ राय
सचिव,
बिहार विधान सभा, पटना

दूरभाष : 2217840(कार्यालय)
फैक्स : 0612-2232212

पत्र संख्या- कार्य०का०सू०- 13/2017-8133 वि०स०, दिनांक- 25/09/17

प्रिय .....

षोडश बिहार विधान सभा का षष्टम् विशेष सत्र दिनांक 28 जुलाई, 2017 से प्रारम्भ हुआ और दिनांक 28 जुलाई, 2017 को ही सभा की बैठक के उपरान्त माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा इसे अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया । षष्टम् सत्र में सिर्फ 1 (एक) बैठक सम्पन्न हुई ।

अध्यक्ष का प्रारम्भिक सम्बोधन

माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा षोडश बिहार विधान सभा के षष्टम् विशेष सत्र के शुभारम्भ के अवसर पर माननीय सदस्यों का अभिनन्दन करते हुए उल्लेख किया गया कि इस उपवेशन में वर्त्तमान मंत्रिपरिषद् द्वारा लाये गए विश्वास प्रस्ताव पर विमर्श होगा ।

माननीय सदस्यगण, लोकतंत्र वह व्यवस्था है जो सरकार पर जनता के प्रभाव और नियंत्रण को निरंतर बनाए रखने के लिए अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण करती है । कानून का शासन, कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के मध्य अधिकारों का समुचित एवं संतुलित बंटवारा तथा व्यक्तिगत अधिकारों और स्वतंत्रताओं की गारंटी इस व्यवस्था की अनिवार्य शर्त्ते हैं । संसदीय प्रणाली में आप जनता की इच्छाओं को प्रकट करने वाले वाहक हैं और उनकी आकांक्षाओं को मूर्त्त रूप देना आपका दायित्व है । मुझे पूर्ण विश्वास है कि सदन के सफल संचालन में आप सभी माननीय सदस्यों का सकारात्मक सहयोग प्राप्त होगा ।

माननीय सदस्यगण, विभिन्न दलों से विधान सभा सचिवालय को प्राप्त सूचनाओं के आधार पर मुझे दो घोषणायें करनी हैं- पहला, मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को बिहार विधान सभा में सदन नेता के रूप में मान्यता दी जाती है । दूसरा, माननीय सदस्य श्री तेजस्वी प्रसाद यादव को बिहार विधान सभा में नेता विरोधी दल के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है ।

माननीय सदस्यगण, अब मैं वर्त्तमान मंत्रिपरिषद् में सदन के विश्वास के प्रस्ताव को लेता हूँ ।

विश्वास का प्रस्ताव

दिनांक 28 जुलाई, 2017 को सरकार द्वारा विश्वास का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया जिसपर वाद-विवाद एवं सरकार के उत्तर के उपरांत विभाजित होकर मतदान की प्रक्रिया (लौबी डिवीजन) हुई, जिसमें सरकार के पक्ष में 131 मत एवं विपक्ष में 108 मत प्राप्त हुआ । वर्त्तमान राज्य मंत्रिपरिषद् में विश्वास का प्रस्ताव पारित हुआ ।

दिनांक 28 जुलाई, 2017 को निर्धारित कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात् माननीय अध्यक्ष महोदय ने सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी, जिसके उपरांत महामहिम राज्यपाल द्वारा बिहार विधान सभा का सत्रावसान किया गया ।

सधन्यवाद

आपका विश्वासी
18/9/17
(राम श्रेष्ठ राय)
सचिव,
बिहार विधान सभा, पटना ।

सेवा में,

.....
.....
.....